

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-848125

बुलेटिन संख्या-४१

दिनांक- मंगलवार, ३० मई, २०२३



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 35.6 एवं 22.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 83 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 49 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.9 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.8 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 9.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 28.4 एवं दोपहर में 40.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(31 मई, -04 जून, 2023)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 31 मई, -04 जून, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। हलॉकि, पूर्वानुमानित अवधि में आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। दोपहर में लू की स्थिति बन सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 40-41 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23-25 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 13 से 15 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से अगले एक-दो दिन पुरवा हवा, उसके बाद पछिया हवा चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- आम तौर पर शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान भाइयों को मक्का की कटनी, दौनी एवं दाने को सुखाने का काम करें। मूंग, उड़द की तैयार फली को तुड़ाई करें तथा हरी खाद के लिए उनके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से जमीन में पलट दें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। इसके लिए सुआन, देवकी, शक्तिमान-1, शक्तिमान-2, राजेन्द्र संकर मक्का-3, गंगा-11 किस्मों की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाष का व्यवहार करें। प्रति किग्रा० बीज को 2.5 ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर 20 किग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोग्राम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, 2.5 किलोग्राम यूरिया, 1.5 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉसफेट, 1.3 किलोग्राम म्युरेट ऑफ पोटाष तथा 50 ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरूप बिछा कर मिट्टी में मिला दें।
- लम्बी अवधि वाले धान के किस्मों जैसे- राजश्री, राजेन्द्र श्वेता, स्वर्णा, स्वर्णा सब-1, सत्यम एवं किशोरी की नर्सरी गिराने का काम करें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800-1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25-1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को गिराने से पहले बंविस्टिन 2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें।
- अदरक की बुआई करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 30 से 40 किलोग्राम, स्फुर 50 किलोग्राम, पोटास 80 से 100 किलोग्राम जिंक सल्फेट, 20 से 25 किलोग्राम एवं बोरेक्स 10 से 12 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। अदरक के लिए बीज दर 18 से 20 किंवल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 20-30 ग्राम जिसमें 3 से 4 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30x20 से०मी० रखें। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के 0.2 प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई-गुड़ाई करें। कीट-व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।
- खरीफ प्याज की खेती के लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में गोबर की खाद अवश्य डालें। खरीफ प्याज के लिए एन०-53, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8-10 कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।
- हरी खाद के लिए सनई और ढ़ैचा की बुआई करें। ढ़ैचा के लिए बीज दर 25 कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें। मूंग, उरद की तुड़ाई के बाद हरी खाद हेतु उसके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से जमीन में गाड़ दें।
- पशुओं के चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई अन्तर्वर्ती खेती में करने से चारे की गुणवत्ता बढ़ जायेगी तथा दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच०एस० (गलघोट्ट) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें।

आज का अधिकतम तापमान: 38.8 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 24.0 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ० ए. सत्तार)
वरिय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)